जबलपुर में जुटे देश भर के पैथोलॉजिस्ट, साझा किए चिकित्सा के नए सूत्र

पैथोलॉजी में एआई के असर पर मंथन

विशेषज्ञ बोले, मशीन नहीं ले सकती डॉक्टर की जगह

जबलपुर। शहर में आयोजित 16वीं एमपी पैथकॉन 2026 कॉन्फ्रेंस के अंतिम दिन चिकित्सा जगत के विशेषज्ञों ने पैथोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी में हो रहे बड़े बदलावों पर मंथन किया। इस वैज्ञानिक सत्र में देशभर के वरिष्ठ डॉक्टरों ने भाग लिया और गंभीर बीमारियों के सटीक निदान के लिए आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर जोर दिया।

कैंसर निदान और गंभीर बीमारियों पर वैज्ञानिक विमर्श

सम्मेलन के दौरान विशेषज्ञों ने कैंसर और अन्य जटिल बीमारियों के निदान के लिए नए प्रोटोकॉल पर चर्चा की। मेडिकल कॉलेज के पैथोलॉजी विभाग व इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलोजिस्ट एन्ड माइक्रोबायोलॉजिस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का समापन दीक्षांत समारोह के साथ हुआ, जहाँ आयोजन समिति के अध्यक्ष संजय तोतड़े व डॉ. शिशिर चनपुरिया सहित सभी सदस्यों द्वारा अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया और शोध पत्र प्रस्तुत करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर आयोजन से जुड़ी स्मारिका का विमोचन किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन ने जबलपुर को चिकित्सा शिक्षा और शोध के एक बड़े केंद्र के रूप में स्थापित किया है। इस अवसर पर डॉ. रानू तिवारी सहित डॉ. ओपी भार्गव, डॉ. शिशिर चनपुरिया, डॉ. राजेश महोबिया,डॉ. शिव चंद्राकर, डॉ. सीमा दयाल, डॉ. विजय श्रीवास्तव, डॉ. सविता वर्मा, डॉ. नीरज सेठी, डॉ. कुलदीप बजाज, डॉ. नीरज सचदेवा, डॉ. राधिका नंदवानी और डॉ. भरत पुनासे की उपस्थिति रही।

एक मंच पर आए अनेक दृष्टिकोण

कॉन्फ्रेंस के वैज्ञानिक सत्र के दौरान डॉ. एकता शाह ने एंडोमेट्रियल ट्यूमर की रिपोर्टिंग में आणविक प्रगति के महत्व को समझाया, जबकि डॉ. एमसी शर्मा ने ब्रेन ट्यूमर (ग्लियल ट्यूमर) के निदान के लिए एकीकृत दृष्टिकोण साझा किया। इसके साथ ही, डॉ. दीप्ति चौरसिया ने स्क्रब टाइफस जैसी बीमारियों में पैथोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी के आपसी तालमेल को जरूरी बताया। डॉ. फराह जलाली ने त्वचा के मेलानोसाइटिक घावों और डॉ. राकेश गुप्ता ने माइकोलॉजी के केस-आधारित पहलुओं पर अपने विचार रखे। पैनल डिस्कसन सत्र में डॉ. सुनीत गुजराल (टाटा मेमोरियल, मुंबई),डॉ. शिशिर चानपुरिया, डॉ. यूएम शर्मा, डॉ. ब्रजेन्द्र शर्मा, डॉ. विनय छतानी और डॉ. अनिमेष आड़े व डॉ. राजेश महोबिया की भूमिका चेयरपर्सन की रही।

क्या एआई ले लेगा डॉक्टरों की जगह

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था कि क्या **AI** माइक्रोस्कोपी की जगह ले लेगा, इस विषय पर विस्तार से चर्चा हुई। डॉ. रानू तिवारी मिश्रा और डॉ. नीरज सचदेवा की मॉडरेट की गई इस चर्चा में विशेषज्ञों ने माना कि तकनीक और **AI** निदान की प्रक्रिया को तेज और सटीक तो बना सकते हैं, लेकिन वे एक अनुभवी पैथोलॉजिस्ट की क्लिनिकल समझ और मानवीय निर्णय लेने की क्षमता का स्थान कभी नहीं ले सकते। चर्चा में डॉ. सुमीत गुजराल, डॉ. संजीव सिंह और सहित अन्य दिग्गजों ने अपने तर्क रखे। कार्यक्रम का समापन दीक्षांत समारोह के साथ हुआ, जिसमें मेधावी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

रक्त विज्ञान व बायोप्सी पर मंथन

इसी क्रम में, रक्त विज्ञान और जटिल बायोप्सी प्रक्रियाओं पर गहन चर्चा हुई। डॉ. सुमीत गुजराल ने ट्रेफिन बायोप्सी की व्याख्या के सूक्ष्म पहलुओं को समझाया, वहीं डॉ. राजेश बी. सावंत ने ट्रांसप्यूजन मेडिसिन के क्षेत्र में हो रही हालिया प्रगति से अवगत कराया। पैनल चर्चा के दौरान डॉ. एसके सूत्रकार, डॉ. मनीष सुल्या, डॉ. अर्चना श्रीवास्तव और डॉ. ज्योति प्रियदर्शिनी ने तकनीकी भविष्य पर अपने विचार रखे। इस दौरान डॉ. रश्मि, डॉ. कुलदीप, डॉ. रजनी, डॉ. आशीष और डॉ. अमित सहित अन्य वरिष्ठ चिकित्सकों ने विभिन्न सत्रों में सक्रिय सहभागिता कर ज्ञानवर्धन किया।.

फ्लाई ओवर : गंदगी की सफाई और धुलाई करने महापौर ने संभाला मोर्चा

हरिभूमि जबलपुर।

शहर की आबोहवा को शुद्ध बनाने और स्वच्छता रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए नगर निगम ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी अभियान के तहत आज महापौर श्री अन्नू ने एक अनूठी पहल करते हुए स्वयं सड़कों और फ्लाईओवर्स की सफाई व धुलाई का मोर्चा संभाला।

सफाई मित्रों के साथ मिलकर की धुलाई

महापौर सुबह-सुबह लाव-लश्कर के साथ शहर के मुख्य फ्लाई ओवर पर पहुंचे। वहां उन्होंने न केवल कार्य का निरीक्षण किया, बल्कि खुद हाथ में पानी की पाइप थामी और सफाई मित्रों के कंधे से कंधा मिलाकर फ्लाई ओवर की धुलाई की। महापौर को अपने बीच पाकर सफाई मित्रों का उत्साह दोगुना हो गया। महापौर ने कहा कि "सफाई मित्र हमारे शहर के असली हीरो हैं, और उनके मनोबल को बढ़ाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

- सफाई मित्रों के उत्साहवर्धन के लिए महापौर ने उनके साथ की धुलाई
- वायु गुणवत्ता और स्वच्छता अभियान को बेहतरीन रखने सफाई एवं धुलाई कार्य की गति तेज
- वायु गुणवत्ता और स्वच्छता में रैंकिंग सुधाने महापौर ने झोंकी पूरी ताकत : 4500 सफाई मित्र और 400 गाड़ियां सफाई और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए मैदान में
- स्वच्छता के 'महायुद्ध' में खुद उतरे महापौर : फ्लाईओवर पर संभाला मोर्चा, सफाई मित्रों का बढ़ाया जोश

वायु गुणवत्ता सुधारने पर विशेष जोर

बढ़ते प्रदूषण और धूल के कणों को नियंत्रित करने के लिए इस बार विशेष रणनीति अपनाई गई है। सड़कों और फ्लाई ओवर्स की जमी धूल को हटाने के लिए व्यापक स्तर पर धुलाई कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में 4500 सफाई मित्र और 400 गाड़ियां शहर के कोने-कोने में सफाई और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए तैनात की गई हैं।

यह प्रकृति से जुड़ाव और आध्यात्मिक अनुभव की यात्रा है: डॉ पुष्पराज पटेल

मां नर्मदा की पंचकोशी यात्रा केवल शारीरिक यात्रा नहीं बल्कि स्वयं की खोज

नर्मदे हर के उद्घोष के साथ भव्यता से निकाली गई मां नर्मदा की पंचकोशी यात्रा

हरिभूमि जबलपुर।

आज एम पी ई बी मॉर्निंग वॉकर्स का हरे कृष्णा आश्रम से माँ नर्मदा मैया की पंचकोशी यात्रा का शुभारंभ हुआ। हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ पुष्पराज पटेल जी के नेतृत्व में पंच कोशी यात्रा का यह दूसरा वर्ष रहा. जिसमे बड़ी संख्या मे माँ नर्मदा जी के भक्त शामिल हुए। डॉ पुष्पराज पटेल जी ने बताया कि माँ नर्मदा मैया की यह यात्रा केवल एक शारीरिक यात्रा नहीं, बल्कि स्वयं की खोज, प्रकृति से जुड़ाव और आध्यात्मिक अनुभव की यात्रा है, जहाँ व्यक्ति धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष (चतुर्विध पुरुषार्थ) प्राप्त करने की कोशिश करता है। शास्त्र में भी ऐसा ही कहा गया है।

माँ सरस्वती में तीन दिन, यमुना में सात दिन और गंगा मैया में एक दिन स्नान करने से जो पुण्य मिलता है, वह माँ नर्मदा मैया के दर्शन मात्र से प्राप्त हो जाता है।

यात्रा में आरती और भजन

पंचकोशी यात्रा या सामान्य नर्मदा परिक्रमा के दौरान श्रद्धालू उद्घोष कहते हुए आगे बढ़ रहे थे।

यात्रा के दौरान सबसे प्रचलित उद्घोष

'नर्मदे हर' या 'हर हर नर्मदे' इसका अर्थ है 'माँ आनंद देने वाली' और यह भगवान शिव और माँ नर्मदा के अटूट संबंध को दर्शाता है। यात्रा में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ पुष्पराज पटेल, डॉ.के.के.वर्मा, डॉ. अनुपम श्रीवास्तव, डॉ. गुलाब तिवारी, राजेश गुप्ता, अंशुल ब्यौहार, रोहित यादव, सचिन उपाध्याय, सैयद सुजाता हुसैन, अनुराग साहू, आलोक आसाठी, प्रदीप जैन, हेमंत बड़गैया आदि श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर यात्रा का पुण्य लाभ लिया।

फ्लोराइड युक्त पानी पीने विवश क्षेत्रीय नागरिक

नर्मदा जल की राह निहार रहे बरेला निवासी, योजना अभी तक अपूर्ण

बरेला। लगभग एक दशक पूर्व पनागर विधायक सुशील तिवारी द्वारा नगर वासियों को फ्लोराइड मुक्त जल उपलब्ध कराने के लिए स्वच्छ निर्मल जल के लिए नर्मदा नल जल योजना की घोषणा की गई थी जिस पर अमल करते हुए प्रशासन द्वारा लगभग 20 करोड़ की लागत से नगर में विगत 5 वर्ष से नर्मदा जल योजना का काम चल रहा है जो कि आज दिनांक तक अपूर्ण हैं। नर्मदा नल जल योजना की कछुआ गति के कारण लोगों को अभी तक फ्लोराइड युक्त पानी पीने विवश होना पड़ रहा है। वर्तमान में जहां एक और इंदौर में घटित हुई पानी जनित बीमारियों के कारण अनेक लोग काल कलवित हो गए तो वहीं दूसरी ओर नगर में लोगों को स्वच्छ जल के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। बताया जाता है कि नर्मदा नल जल योजना अंतर्गत नगर वासियों को शुद्ध जल मिलने की उम्मीद है किंतु ठेकेदार की लचर कार्यप्रणाली की वजह से अभी तक लोगों को नर्मदा जल नसीब नहीं हो पा रहा है। योजना का आलम यह है कि वर्तमान में नगर के अनेक वार्डों में अभी तक पाइपलाइन ही डाली जा रही है तो वहीं दूसरी ओर फिल्टर प्लांट का काम भी चल रहा है। योजना को चालू हुए 5 वर्ष का समय हो चुका है किंतु इसके बावजूद भी अभी तक नल जल योजना पूर्ण नहीं हो सकी है। नल जल योजना के ठेकेदार द्वारा कछुआ गति से कार्य किया जा रहा है। इसकी वजह से इस योजना को पूर्ण होने में लंबा समय लग रहा है ठेकेदार द्वारा अभी तक नगर की संपूर्ण घरों में नल कनेक्शन तक नहीं किए गए हैं तो वहीं दूसरी ओर सीलूआघाट से लेकर फिल्टर प्लांट तक मुख्य लाइन भी नहीं बिछ पाई है। ठेकेदार की कछुआ गति की वजह से नगर वासियों को नर्मदा जल मिलने में निरंतर विलंब हो रहा है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा भी इस संबंध में ठोस पहल न करने के कारण ठेकेदार मनमर्जी से कार्य कर रहा है । ज्ञात होने की नगर में भी 2007-8 में महामारी की वजह से दर्जनों मौतें हो चुकी है। मध्य प्रदेश अर्बन डेवलपमेंट द्वारा संचालित योजना की धीमी गति नगर वासियों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। फ्लोराइड युक्त पानी की वजह से यहां के नोनीहालों के द्धांत और बुजुर्गों की हड्डियां भी खराब हो रही हैं। नर्मदा जल योजना नगर वासियों के लिए वरदान साबित हो सकती है किंतु ठेकेदार की कछुआ प्रणाली की वजह से लोगों को अभी भी स्वच्छ जल के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। नगर में जन चर्चा का विषय बना हुआ है कि नर्मदा नल जल योजना से और नगर वासियों का पानी मिल पाएगा की भी नहीं। नगर वासियों ने अति शीघ्र इस योजना को पूर्ण करने की मांग कलेक्टर महोदय से की है।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों मरीजों को मिला लाभ

सिहोरा। पौराणिक अद्भुत विद्या शोध संस्थान एवं हम हैं न फाउंडेशन के तत्वावधान में अमृत सिटी हॉस्पिटल उखरी चौक एवं सिद्धेश्वर धाम सिद्ध मंदिर के संयुक्त सहयोग से उमरिया बुड़ई,मझौली में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों ग्रामवासियों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। शिविर में आकर्षण महाराज के सानिध्य में जबलपुर शहर के जाने.माने विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। जिसमें नाक,कान,गला रोग विशेषज्ञ डॉ संचय चौकसे,हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ हर्षा रेड्डी,जनरल सर्जन डॉ दिनेश कटेहा,हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ जितेन्द्र लोधी,डॉ दिव्या चौकसे,स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शैलजा गुप्ता,शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ रश्मि प्रजापति एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ शालम अम्बवंशी द्वारा मरीजों की जांच कर उचित परामर्श व उपचार के अलावा दवाईयां भी प्रदान की गई। आकर्षण महाराज के सान्निध्य में आयोजित शिविर में सेवा कार्य को और अधिक ऊर्जा मिली। उन्होंने श्री सिद्ध महोत्सव के धार्मिक आयोजन में ग्रामवासियों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित कराकर एक अनूठा प्रयास किया। जिसमें अमृतसिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर शरद विश्वकर्मा ने अपनी महत्वपूर्ण सेवा प्रदान की। आयोजक संस्थाओं ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी चिकित्सकों,सेवाभावी कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इसी प्रकार के जनहितकारी आयोजनों को निरंतर आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।

शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ आज से

मझौली। भगवान श्री विष्णु वाराह की असीम कृपा से पिछले कई वर्षों से महिला मण्डल मझौली के द्वारा प्रतिवर्ष महापुराण का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी 12 जनवरी दिन सोमवार से 19 जनवरी तक संगीतमय शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया है कथा स्थल विष्णु वाराह मंदिर प्रांगण। कथा वाचक पंडित गिरधारी शरण जी महाराज (श्री वृन्दाधाम)। कथा नित्य प्रतिदिन दोपहर दो बजे से शाम छह बजे तक होगी। यह आयोजन संगीत में महिला मंडल मझौली के द्वारा किया जा रहा है।

पनागर में कृषक कल्याण वर्ष 2026 का हुआ शुभारंभ

पनागर। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम का भव्य आयोजन दिनांक 11 जनवरी 2026 को इफको बाजार, पनागर सत्यप्रकाश स्कूल के पास किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक श्री सुशील इंदु तिवारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया, जिससे कृषक कल्याण अभियान का औपचारिक आगाज हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री पंकज शर्मा, पनागर सहित कृषि विभाग के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में किसानों को शासन की विभिन्न कृषि योजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीज, उर्वरक एवं कृषक हितैषी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई विधायक श्री सुशील इंदु तिवारी ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि कृषक कल्याण वर्ष 2026 किसानों की आय बढ़ाने, आधुनिक खेती को बढ़ावा देने और 'समृद्ध किसान–समृद्ध प्रदेश' के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान भाइयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कृषि विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की सराहना की। किसानों ने आधुनिक तकनीकों एवं सरकारी सहायता से खेती को अधिक लाभकारी बनाने के प्रति रुचि दिखाई कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को आत्मनिर्भर, सशक्त और आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़ना रहा, जिसे लेकर उपस्थित किसानों में खासा उत्साह देखने को मिला।

रायन इंटरनेशनल स्कूल, सेंट जेवियर्स शांति नगर व गुप्तेश्वर के कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों को दी गई भावभीनी विदाई

जबलपुर। रायन इंटरनेशनल ,सेंट जेवियर स्कूल शांति नगर एवं सेंटजेवियर स्कूल गुप्तेश्वर जबलपुर में 10.01.26 को कक्षा दसवीं-बारहवीं के विद्यार्थियों के सम्मान में गरिमामय एवं भावनात्मक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर उल्लास, स्नेह और स्मृतियों से भर गया। कार्यक्रम में अनुजों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, स्वागत गीत एवं प्रेरणादायक वक्तव्य प्रस्तुत किए गए। कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के विद्यार्थियों ने विद्यालयी जीवन के अनुभव साझा किए, जिससे वातावरण भावुक हो उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ बाईबल पठन एवं यीशु मसीह के भक्ति गीतों के साथ हुआ। विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि "आप सभी विद्यालय की पहचान हैं, और हमें विश्वास है कि आप जीवन में उच्च लक्ष्य प्राप्त करेंगे।" समारोह के अंत में विद्यार्थियों को स्मृति-चिह्न भेंट किए गए तथा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह विदाई समारोह विद्यार्थियों के लिए एक अविस्मरणीय स्मृति बन गया। कार्यक्रम शाला चेयरमैन डॉ. ए.एफ पिंटो एवं मैनेजिंग डायरेक्टर ग्रेस पिंटो के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

मुनिश्री प्रमाण सागर का नगर आगमन कल

जबलपुर। आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य गुणायतन प्रणेता मुनि श्री प्रमाण सागर का जबलपुर नगरी में आगमन सुनिश्चित हुआ है। महाराजश्री सोमवार को प्रातः नक्षत्र नगर से अमृत तीर्थ पहुँचेंगे जहाँ पर आहार चर्या सम्पन्न होगी। दोपहर में सामायिक के पश्चात शिवनगर जैन मंदिर में आगमन होगा। रात्री विश्राम शिवनगर में होगा। मंगलवार 13 जनवरी को शिवनगर जैन मंदिर से दोपहर में 1 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी जो कि दमोह नाका, मिलौनीगंज, कोतवाली, सराफा, कमानिया, बड़ा फुहारा, गंजीपुरा, मालवीय चौक होकर आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, गोलबाजार में समाप्त होगी। दिगम्बर जैन पंचायत सभा के अध्यक्ष कैलाशचंद जैन,प्रधानमंत्री अनिल जैन 'गुड्डू' ,कोषाध्यक्ष सतीश वर्धमान, मुकेश फड़ीस, सुजीतभाऊ, अमित पड़रिया, जैन नवयुवक सभा के अध्यक्ष नितिन बोंटिया, प्रधानमंत्री शुभम जैन, डी. एन. जैन बोर्डिंग हाउस सोसायटी के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन 'जुग्गू' ,प्रधानमंत्री संजय सिंघई (आर.व्ही), आदिनाथ समिती के शैलेष आदिनाथ, प्रकाश पटैल ने सकल जैन समाज से अधिक से अधिक संख्या में पहुँचने का आग्रह किया है।

श्रद्धांजलि एवं स्मृति सभा का आयोजन

हरिशंकर परसाई के बाद जबलपुर की पहचान थे ज्ञानरंजन

जबलपुर। पहल के संपादक व विख्यात कथाकार ज्ञानरंजन की स्मृति में शनिवार को एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस श्रद्धांजलि व स्मृति सभा में जबलपुर के साहित्यकार, संस्कृतिकर्मी, कलाकार, रंगकर्मी, प्राध्यापक, चिकित्सक, विद्यार्थी व समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उपस्थित होकर ज्ञानरंजन को श्रद्धांजलि अर्पित कर अपनी भावनाएं व्यक्त की। श्रद्धांजलि सभा में विशेष रूप से मुंबई, नागपुर, इलाहाबाद, इंदौर, भोपाल, कटनी जैसे शहरों के साहित्यकार व पहल के पाठकों ने उपस्थित होकर अपने प्रिय लेखक व संपादक को श्रद्धांजलि दी। सबने माना कि ज्ञानरंजन, हरिशंकर परसाई के बाद जबलपुर की पहचान थे और अब जबलपुर के पास कोई प्रतीक नहीं बचा।

जीएस कॉलेज के पूर्व प्राचार्य व कथाकार कुंदन सिंह परिहार ने कॉलेज अध्यापन के दौरान के प्रसंग सुनाते हुए कहा कि ज्ञानरंजन ने युवावस्था में ही हिन्दी की श्रेष्ठ कहानी लिखकर ख्याति अर्जित कर ली थी।

साहित्यकार राजेन्द्र चंद्रकांत राय ने कहा कि उन के साथ जबलपुर के साहित्यकारों को ज्ञानरंजन से आधी शताब्दी की छाया मिली। उन्होंने कहा कि ज्ञानरंजन ने पहल को विचारवान पत्रिका बनाया। कथाकार तरुण भटनागर ने कहा कि ज्ञानरंजन हिन्दी साहित्य की दुनिया में एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने डेमोक्रेटिक स्पेस बनाया। मनोहर बिल्लौरे ने कहा कि ज्ञानरंजन युगांतर व्यक्ति थे। वे नहीं रहे यह कहना गुस्ताखी होगा। ज्ञानरंजन का जुझारू व दृढ़ व्यक्तित्व सदैव प्रेरणादायी रहेगा। उन्होंने ज्ञानरंजन के संवाद व सम्पर्क गुण को अद्भुत बताया। डा. निशा तिवारी ने कहा कि ज्ञानरंजन ने पहल के माध्यम से जबलपुर को साहित्यिक केन्द्र के रूप में स्थापित किया। कथाकार राजेन्द्र दानी ने कहा कि वे ज्ञानरंजन की कहानी पढ़कर कथाकार बने। उन्होंने कहा कि ज्ञानरंजन शोक को नापसंद करते थे। राजीव कुमार शुक्ल ने कहा कि ज्ञानरंजन मृत्यु को उत्सव के रूप में देखते थे। वे जीनियस थे। कथाकार व ज्ञानरंजन के सहयोगी पंकज स्वामी ने कहा कि ज्ञानरंजन में मानवीय गुण व संवेदनशीलता कूट कूट कर भरी थी। उनका संसार साहित्य तक सीमित नहीं था बल्कि समाज के प्रत्येक हिस्से में उनके प्रशंसक थे। इंदौर के सुरेश पटेल ने कहा कि ज्ञानरंजन ने कबीर विचारधारा के प्रचार प्रसार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चित्रकार अवधेश बाजपेयी ने ज्ञानरंजन के कला बोध की सराहना करते हुए कहा कि उनसे सीखने को बहुत मिला। मध्यप्रदेश हिन्दी साहित्य सम्मेलन की जबलपुर इकाई के अध्यक्ष कुंदन सिद्धार्थ ने कहा कि ज्ञानरंजन को चाहने व प्यार करने वाले पूरे देश भर में है। श्रद्धा सुनील ने कहा कि ज्ञानरंजन ने नवोदित को खूब प्रोत्साहन दिया। गीता शरत तिवारी, डा. स्मृति शुक्ला, अनामिका तिवारी, डा. सुधीर तिवारी, विवेक चतुर्वेदी सहित अन्य लोगों ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए।

बिना पोस्टमार्टम के मृतक का हुआ दाह संस्कार, एक मौत के बाद जागा खाद्य विभाग

लावारिस थैली में रखी मिठाई बनी मौत का कारण, हो सकती है साजिश

लावारिस हालत में मिली थैली की मिठाई खाने से पांच लोग फूड पॉजिनिंग के शिकार हो गए। जिसमें से एक की मौत हो गई है। जबकि दो की हालत गंभीर है। लावारिस मिठाई जब मौत का कारण बनी तो सवाल उठे, हादसा है या साजिश। बहरहाल खाद्य विभाग ने मिठाई दुकानों की ओर दौड़ लगा दी है। पुलिस जांच में जुटी है। जिले के नामचीन अस्पतालों की लापरवाही सामने है। कार्यवाही के नाम पर जांच चल रही है, चलती रहेगी। एक मौत ने परिवार में मुसीबतों का कहर टूटा है। दो गंभीर है। जिन्हें बचाने की कवायद शुरू है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुन्नारदेव (संजय जैन)

नगर के तामिया मार्ग पर स्थित एक शासकीय कार्यालय के पास रखी हुई एक लावारिस थैली में रखी हुई मिठाई के सेवन कर लिए जाने से एक की मौत हो गई तो वही चार लोगों की तबीयत बिगड़ जाने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसमें दो की हालत अब तक गंभीर बनी हुई है। इस मामले के सामने आने के बाद स्थानीय पुलिस विभाग और जिले का खाद्य विभाग अमला सक्रिय हो गया। पुलिस ने चौकीदार दसरू यदुवंशी के मृत्यु होने के बाद मर्ग कायम किया है तो वहीं दूसरी ओर जिला कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य विभाग ने जुन्नारदेव पहुंचकर शहर के लगभग समस्त मिष्ठान प्रतिष्ठानों से सैंपल ले लिया है। इस मामले की पड़ताल किए जाने के बाद लगभग यह स्थिति सामने आ रही है कि यह मामला किसी भी प्रकार से विषाक्त मिठाई का न होकर किसी गहरी साजिश का हो सकता है ? हालांकि इस मामले में पुलिस ने इस मिठाई के डब्बे में रखी शेष बची मिठाई को जप्त कर उसे जांच हेतु प्रयोगशाला में भेजने की बात कही है। इधर दूसरी तरफ इस डब्बे की मिठाई का सेवन करने के फलस्वरुप मृतक दसरू यदुवंशी का अंतिम संस्कार उसके परिजनों के द्वारा कर दिया गया है, तो वहीं अन्य चार बीमार लोगों में से दो की स्थिति छिंदवाड़ा में गंभीर बनी हुई थी जबकि अन्य दो अब खतरे से बाहर बताई जा रहे हैं। इस बहुचर्चित मामले में कथित तौर पर सिर्फ मिठाई के दूषित करार दिए जाने मामले की इतिश्री नहीं की जानी चाहिए बल्कि मामले की तह तक पहुंच कर इस बात की कोशिश की जानी चाहिए कि इसमें किसी भी प्रकार की कोई साजिश तो नहीं रही थी।

यह है मामला

नगर के तामिया मार्ग पर स्थित पी एच ई के कार्यालय के समीप किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा भूलवश या जानबूझकर एक थैली को रखा गया था, जिसमें एक मिठाई का डब्बा सहित कुछ हरी सब्जियां मौजूद थी। इस लावारिस राखी थैली में से मिठाई का डब्बे में से कुछ मिठाई को पी एच ई विभाग में पदस्थ चौकीदार दशुरू यदुवंशी के द्वारा सेवन किया गया जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे स्थानीय अस्पताल में दाखिल करा दिया गया। जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया था तो वहीं इसी डिब्बे में रखी शेष मिठाई को वहां पर हाथ ठेले में दुकान संचालन करने वाले एक परिवार की महिला सदस्य के द्वारा अपनी दो पुत्री व ससुर तथा स्वयं के द्वारा इसका सेवन किया गया जिससे उनकी भी हालत बिगड़ गई और उन्हें भी उपचार हेतु अस्पताल ले जाया गया जिनमें से दो लोगों को फौरी तौर पर उपचार किया गया जबकि शेष दो को छिंदवाड़ा रेफर किया गया। जहां पर इनका इलाज अभी चल रहा है।

फूड पॉइजिनिंग से मौत, हादसा या साजिश?

नगर के तामिया सड़क मार्ग पर स्थित पी एच ई विभाग के कार्यालय के ठीक पास में किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा अपनी थैली को इस तरह लावारिस छोड़कर चले जाना और उसकी तीन दिनों तक सुध नहीं लेना किसी साजिश की ओर इशारा करता है। दरअसल यह माना जा सकता है कि इस मिठाई के डब्बे में किस प्रतिष्ठान का नाम अंकित नहीं है और इस तरह की मिठाई का स्थानीय मिष्ठान विक्रेताओं के द्वारा निर्माण भी नहीं किया जाता है। सोशल मीडिया पर आई इस मिठाई और उसके डब्बे की मिठाई का सेवन कर लिए जाने के बाद के घटनाक्रम को लेकर लोगों में जन चर्चा है कि जब यह मिठाई विषाक्त होती तो फिर अन्य स्थानों से भी अन्य लोगों के द्वारा सेवन किए जाने के बाद बीमार होने के कई मरीज अस्पताल पहुंच सकते थे, लेकिन सिर्फ इस एकमात्र डिब्बे की मिठाई खाने से ही एक व्यक्ति की मौत और चार का गंभीर रूप से बीमार हो जाना स्पष्ट कर रहा है कि इस मिठाई में कुछ कथित तौर पर कुछ मिलाकर तो नहीं रखा गया है। यहां पर महत्वपूर्ण यह भी है कि लगभग ढाई सौ ग्राम वाले इस मिठाई के डिब्बे में लगभग आठ पीस मिठाई के रखे गए होंगे, जिनमें प्रत्येक पीस में लगभग 3-3 काजू के पीस लगाए गए थे। वर्तमान समय में एक काजू लगभग 3 की लागत का है। इस तरह से इस ढाई सौ ग्राम के इस डब्बे में 24 से 25 नग काजू लगाए गए जिनकी कीमत 3 प्रति काजू की औसत दर से लगभग 72 रुपए हो रही है। वर्तमान दौर में किसी भी मिष्ठान विक्रेता के द्वारा किसी एक मिठाई के पीस पर तीन-तीन काजू लगाकर बेचना वर्तमान के महंगाई के युग में असंभव है। इसका सीधा मतलब यह है कि किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा कोई विशेष मकसद से ही कथित तौर पर मिठाई में कुछ मिलावट करके जानबूझकर किसी व्यक्ति विशेष को टारगेट करके रखे जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। क्योंकि आसपास के किसी भी क्षेत्र से दूषित मिठाई से पीड़ित होने के कहीं कोई और कोई घटना या समाचार नहीं मिल रहे हैं और ना ही यहां के शासकीय चिकित्सालय सहित अन्य किसी चिकित्सक के पास इस तरह का मरीज बीते 72 घंटे में नहीं पहुंचा है। इसीलिए यह आशंकाएं बलवती हो रही है कि दुर्भावनावश किसी अज्ञात व्यक्ति ने अपना कोई मकसद पूर्ण करने की विशेष इरादे से यह मिठाई में कुछ मिलाकर रख दिया हो ? हालांकि पुलिस ने इस मिठाई के दो पीस को जप्त कर लिया है जिसका परीक्षण प्रयोगशाला में होने के बाद परिणाम सामने आने पर ही स्पष्ट हो पाएगा कि इस मिठाई में कुछ मिलाकर उसे दूषित किया गया है या फिर मिठाई के विनिर्माण किए जाते समय ही कोई त्रुटि की गई है। इस मामले में खाद्य विभाग के अनुभवी अधिकारियों का यह मानना है कि इस तरह की मिठाई का इस क्षेत्र में निर्माण नहीं होता है और मिठाई को देखकर यह आसानी से अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है कि वह पुरानी या दूषित हो गई हो। देखने में यह मिठाई ताजी दिख रही है। मिठाई के डिब्बे के इस एकमात्र मामले के अलावा इस संपूर्ण क्षेत्र में दूषित मिठाई की कोई भी घटना या सूचना का ना मिलना भी किसी गहरी साजिश के होने की संभावनाओं को बल दे रहा है।

इलाके में नहीं है सीसीटीवी कैमरे

इस मामले में साजिश की की ओर सी घूमने का यह भी प्रमुख कारण माना जा रहा है कि इस क्षेत्र में कोई भी सीसीटीवी मौजूद नहीं है जिसके कारण यदि कहीं कोई व्यक्ति को टारगेट बनाकर किसी ने यह साजिश रची हो तो उसका खुलासा होना आसान नहीं होगा। जबकि तामिया सड़क मार्ग का यह व्यस्ततम क्षेत्र शाम के बाद लगभग सूना हो जाता है। यहां पर नगर पालिका और एमपीइबी के भी आसपास में कार्यालय हैं।

बगैर पोस्टमार्टम के ही किया गया दाह संस्कार

मिठाई के डिब्बे से मिठाई खा लिए जाने के बाद पी एच ई विभाग में कार्यरत दसरू यदुवंशी की हालत बिगड़ने के बाद उसे जुन्नारदेव के सामुदायिक अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां पर उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया गया जहां से उसके परिजनों ने अपनी ही गारंटी पर जिले के एक नामचीन अस्पताल में उपचार हेतु भर्ती कराया गया जहां पर रविवार तड़के को उसकी मौत हो गई। आनन-फानन में अस्पताल प्रबंधन के द्वारा कथित तौर पर परिजनों से पोस्टमार्टम न किए जाने का पत्र लिखाकर लेने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। जहां से कुछ देर के बाद उसका दाह संस्कार भी कर दिया गया। अब ऐसी परिस्थितियों में मृतक की मृत्यु का कारण जानने में अहम कड़ी साबित होने वाला पोस्टमार्टम और उसमें निकलने वाला बिसरा पुलिस को प्राप्त ही नहीं हो सकेगा जिसके कारण इस संवेदनशील मामले में मौत के कारण तक पहुंचने में पुलिस को भी खासी मशक्कत करनी होगी।

अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही के कारण साजिश का शक

जिले के एक इस नामचीन अस्पताल में रविवार को तड़के दसरू यदुवंशी की मौत हो जाने के बाद यह स्पष्ट हो चुका था कि पीड़ित की मौत किसी विषाक्त वस्तु के सेवन से हुई है। अस्पताल के चिकित्सकों के द्वारा मृतक की इस मौत को संदेहास्पद करार देते हुए तत्काल ही पुलिस को सूचना देनी चाहिए थी, लेकिन यहां पर अस्पताल प्रबंधन के द्वारा कथित तौर पर लापरवाही बरती गई है जिसके द्वारा पुलिस को सूचना न देते हुए बगैर पोस्टमार्टम के ही शव परिजनों को अंतिम संस्कार हेतु दिया जाना किसी गहरी साजिश को रचना या उससे बचने की संभावना को बल देता है। शासकीय नियमानुसार किसी भी संदेहास्पद मामले में मृत्यु पर चिकित्सक या अस्पताल के द्वारा स्थानीय पुलिस को तहरीर भेजना आवश्यक होता है, लेकिन इस मामले में ऐसा ना किया जाना अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही को इंगित कर रहा है। इस मामले में जिला स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा शासकीय नियमों का हवाला देते हुए बताया गया कि परिजनों के द्वारा इस मामले में पोस्टमार्टम कराए बगैर ही शव उन्हें सौंप दिए जाने का पत्र अस्पताल प्रबंधन को दिया गया था। इसीलिए अस्पताल प्रबंधन के द्वारा बगैर पोस्टमार्टम के यह शव परिजनों को अंतिम संस्कार हेतु सोपा गया है।

पुलिस टीम पर पथराव करने वाले बदमाशों का उसी इलाके में निकला जुलूस, 4 गिरफ्तार

सतना।

शहर के कोलगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत नई बस्ती में कार सवार युवक से अड़ीबाजी करने और बीच-बचाव करने पहुंची पुलिस टीम पर हमला करने वाले आरोपियों पर पुलिस ने कड़ा एक्शन लिया है। पुलिस ने घटना के 24 घंटे के भीतर 4 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों को उसी मोहल्ले में ले जाकर उनका जुलूस निकाला गया,जहाँ उन्होंने उत्पात मचाया था।

कार सवार से अड़ीबाजी और मारपीट

घटना शुक्रवार रात की है। नई बस्ती स्थित पानी की टंकी के पास से गुजर रहे एक कार सवार युवक को नशे में धुत कुछ युवकों ने रोक लिया। बदमाशों ने कार पर पथराव करते हुए युवक से पैसों की मांग की। जब युवक ने पैसे देने से इनकार किया,तो आरोपियों ने न केवल उसके साथ मारपीट की, बल्कि उसकी गाड़ी में भी जमकर तोड़फोड़ की। पीड़ित ने किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई और तत्काल पुलिस को सूचना दी।

पुलिस टीम पर भी किया हमला

सूचना मिलते ही एएसआई उमेश पांडेय एक आरक्षक के साथ मौके पर पहुंचे। बदमाशों के हौसले इतने बुलंद थे कि वे पुलिस को देखकर पीछे हटने के बजाय उनसे ही उलझ गए। स्थिति बिगड़ती देख एएसआई ने थाने से अतिरिक्त बल बुलाया। जब तीन और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे,तब भी बदमाशों ने गाली-गलौज बंद नहीं की और पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया। हमले के कारण पुलिस को कुछ देर के लिए पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा।

हत्या के प्रयास का मामला दर्ज,7 अब भी फरार

इस मामले में पुलिस ने दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की हैं।कार सवार की शिकायत पर अड़ीबाजी और मारपीट का केस।पुलिस की शिकायत पर एएसआई उमेश पांडेय पर हमले और हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया है।

गिरफ्तार आरोपीयों के नाम

पवन कुशवाहा 18 वर्ष,हरिकृष्ण यादव 25वर्ष,प्रशांत सिंह 20वर्ष,एक नाबालिग है। कोलगवां टीआई सुदीप सोनी के नेतृत्व में नई बस्ती में सर्च ऑपरेशन चलाकर इन आरोपियों को दबोचा गया। पुलिस के अनुसार,मामले में 7 अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं,जिनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

मकर संक्रांति पर चाइनीज डोर का उपयोग किया तो जेल

सतना

मकर संक्रांति का पर्व नजदीक आते ही बाजारों में रौनक बढ़ गई है। नीले आसमान में रंग-बिरंगी पतंगें अठखेलियां करती नजर आने लगी हैं और युवाओं के बीच 'पेंच' लड़ाने की होड़ मची है। लेकिन इस उत्साह के बीच एक बेहद चिंताजनक पहलू सामने आया है। अपनी पतंग को कटने से बचाने की चाहत में लोग स्वदेशी धागे के बजाय प्रतिबंधित चाइनीज मांझे का धड़ल्ले से इस्तेमाल कर रहे हैं,जो अब जानलेवा साबित हो रहा है।

जानलेवा है यह 'कांच

चाइनीज मांझा,जो मूल रूप से नायलॉन,प्लास्टिक और कांच के मिश्रण से बना होता है,न केवल इंसानों के लिए काल बन गया है,बल्कि बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए भी घातक है। यह मांझा इतना मजबूत होता है कि आसानी से नहीं टूटता,जिसके कारण यह लंबे समय तक पेड़ों और बिजली के तारों में उलझा रहता है। इसकी चपेट में आने से आए दिन राहगीरों के गले कटने और पक्षियों के पंख कतरने की हृदयविदारक खबरें सामने आती रहती हैं।

सफ़ेद उल्लू ने चौकाया - चार बच्चे मिले

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले के वारासिवनी में रहने वाले उपेंद्र बांगरे के करीब सौ साल पुराने खंडहरनुमा मकान को जब तोड़ा जा रहा था, तब उसके भीतर से चार दुर्लभ सफेद उल्लू मिले। जैसे ही इन उल्लुओं के मिलने की खबर फैली, उन्हें देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। इन उल्लुओं को अब सुरक्षित रूप से वन विभाग के हवाले किया जाएगा।

वन्यजीव विशेषज्ञ अभय कोचर ने बताया कि ये 'बार्न आउल' प्रजाति के उल्लू हैं, जिन्हें आम भाषा में 'खलिहानी उल्लू' कहा जाता है। इनकी सबसे बड़ी पहचान इनका दिल (हार्ट) के आकार का चेहरा और छोटी चोंच और आंखें हैं। इन्हें किसानों का सबसे अच्छा मित्र माना जाता है क्योंकि ये बड़ी संख्या में खेतों और खलिहानों के चूहों का शिकार करते हैं, जिससे फसलें सुरक्षित रहती हैं। ये उल्लू अक्सर पुरानी इमारतों, खंडहरों और पेड़ों के खोखले हिस्सों में रहना पसंद करते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आज के समय में जादू-टोना और उनके रहने की जगहों के खत्म होने के कारण इन दुर्लभ पक्षियों की जान पर संकट मंडरा रहा है। प्रकृति के संतुलन और किसानों की भलाई के लिए इन सफेद उल्लुओं का संरक्षण बहुत जरूरी है।

किशोरी को बरामद कर आरोपी को भेजा जेल

शहडोल। जिले के बुढार थाना अंतर्गत केशवाही चौकी पुलिस ने अपहरण और यौन शोषण के मामले में तत्परता दिखाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने 10 जनवरी को अपहृता को दस्तयाब कर उसका मेडिकल परीक्षण कराया और बयानों के आधार पर मामले में बीएनएस एवं पॉक्सो एक्ट की धाराएं बढ़ाईं। पुलिस ने 11 जनवरी को आरोपी राजकुमार साकेत उर्फ राजा उम्र 21 वर्ष, निवासी वार्ड नंबर 12 केशवाही को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

रामपुर बाघेलान पुलिस का बड़ा एक्शनः बोलेरो सवारों का अपहरण कर लूट करने वाले 7 आरोपी गिरफ्तार

सतना

जिले के रामपुर बाघेलान थाना क्षेत्र के अंतर्गत अपहरण और लूट की सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने वाले सात शातिर आरोपियों को पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद दबोच लिया है। पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह के निर्देशन में गठित विशेष टीमों ने आरोपियों को मैहर,अमरपाटन और रामपुर बाघेलान के विभिन्न इलाकों से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया है।

नए साल की रात हुई थी वारदात

घटनाक्रम के अनुसार,1 जनवरी 2026 की रात को फरियादी योगेंद्र सिंह 36 वर्ष निवासी बेला बस्ती, अपने साथी राहुल साकेत के साथ बोलेरो वाहन क्रमांक एमपी 19 सीसी 8318 से जा रहे थे। इसी दौरान अज्ञात चार व्यक्तियों ने उनका अपहरण कर लिया। आरोपियों ने पीड़ितों के साथ मारपीट की और उनका मोबाइल फोन व 15,000 रुपये नकद लूट लिए। दिनांक 2 जनवरी को फरियादी की लिखित शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3), 309(6) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी रामपुर बाघेलान,निरीक्षक संदीप चतुर्वेदी ने आरोपियों की तलाश के लिए चार अलग-अलग टीमें गठित कीं। उप निरीक्षक इंद्रबली सिंह चौकी प्रभारी बेला के नेतृत्व में टीमों ने मैहर,अमरपाटन,नादन देहात और बेला क्षेत्र में मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया।

गिरफ्तार आरोपियों का विवरण

पुलिस ने गहन पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर निम्नलिखित आरोपियों को हिरासत में लिया। दीपेंद्र सिंह उर्फ छोटू 23 वर्ष निवासी हिनौता गजगवा,मैहर,दिवाकर तिवारी 25 वर्ष निवासी देवरिया,उत्तर प्रदेश,अरुण सिंह 23 वर्ष निवासी गडौली,उचेहरा हाल निवासी सरलानगर,मैहर,प्रभात त्रिपाठी 24 वर्ष निवासी बदेरा,मैहर,योगेंद्र सिंह उर्फ राजन 21 वर्ष निवासी गोंडा,उत्तर प्रदेश हाल निवासी मैहर,राज चतुर्वेदी 20 वर्ष निवासी बदेरा,मैहर,शुभम परौहा 26 वर्ष निवासी नागौद हाल निवासी सरलानगर,मैहर है।आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त वाहन और लूटी गई संपत्ति बरामद की है। एक बिना नंबर की पल्सर मोटरसाइकिल चेचिस नंबरः MD2A13EYH CH 8414 है। एक काले रंग की सुजुकी स्कूटी लूटा गया मोबाइल फोन 6,500 रुपये नकद है। इस चुनौतीपूर्ण अंधे कत्ल और लूट के मामले को सुलझाने में निरीक्षक संदीप चतुर्वेदी,उप निरीक्षक अजीत सिंह,इंद्रबली सिंह,सउनि प्रेमशंकर द्विवेदी,उपेंद्र सिंह,रविंद्र मिश्रा और उनकी पूरी टीम (प्रधान आरक्षक एवं आरक्षक) की महत्वपूर्ण और सराहनीय भूमिका रही।

गर्ल्स हॉस्टल के क्लास रूम में अश्लील गानों पर रील

शिक्षा परिसर की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

शहडोल।

जिले के सोहागपुर क्षेत्र स्थित माता शबरी शासकीय कन्या शिक्षा परिसर, कंचनपुर एक बार फिर विवादों के घेरे में है। जिस आवासीय स्कूल से एक-एक कर छात्राएं रहस्यमय तरीके से लापता हो रही हैं, उसी स्कूल के क्लासरूम में शिक्षिका द्वारा छात्राओं के साथ अश्लील गानों पर डांस करते हुए रील बनाए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो ने न केवल शिक्षा व्यवस्था की मर्यादा पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि परिसर की सुरक्षा और अनुशासन पर भी गंभीर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

अभिभावकों सहित समाज में नाराजगी

वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि छात्राएं स्कूल ड्रेस में क्लासरूम के भीतर मौजूद हैं और एक शिक्षिका उनके साथ लोकप्रिय भोजपुरी गीत पतली कमरिया मोरी हाय-हाय पर ठुमके लगाती नजर आ रही हैं। क्लासरूम जैसे पवित्र शैक्षणिक स्थान में इस तरह की गतिविधि को लेकर अभिभावकों और समाज में भारी नाराजगी है। स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब शिक्षिका ही इस तरह का व्यवहार करेंगी तो छात्राओं पर इसका क्या असर पड़ेगा।

दर्ज हुआ अपहरण का मामला

शिक्षा परिसर से 28 दिसंबर को कक्षा 12वीं की एक छात्रा हॉस्टल से मामा के साथ घर जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन वह घर नहीं पहुंची,इस मामले में तत्कालीन हॉस्टल अधीक्षिका सुलोचना बट्टे की शिकायत पर सोहागपुर थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया था, पुलिस जांच अभी जारी ही थी कि 8 जनवरी को कक्षा 10 वीं की एक और छात्रा के लापता होने की घटना सामने आ गई। जानकारी के अनुसार, कक्षा 10वीं की छात्रा अपने नाना और दो सहेलियों के साथ हॉस्टल पहुंची थी, सहेलियां तो भीतर चली गईं, लेकिन छात्रा बहन को बाहर छोडने की बात कहकर बाहर निकली और फिर लौटकर नहीं आई, रोल कॉल के दौरान छात्रा की अनुपस्थिति सामने आने पर प्रबंधन में हडक़ंप मच गया, इसके बाद प्रिंसिपल देवेंद्र श्रीवास्तव ने भी सोहागपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने दूसरे मामले में भी अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपहरण का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एक ओर छात्राओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल हैं, तो दूसरी ओर शिक्षिका का यह वायरल वीडियो पूरे शिक्षा परिसर की साख पर बट्टा लगा रहा है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले में कितनी सख्ती से कार्रवाई करता है।

होटल एंड रेस्टॉरेंट वेलफेयर एसोसिएशन का मेगा ट्रेड फेयर बना आकर्षण का केंद्र, 13 जनवरी तक चलेगा

100 से ज्यादा एक्जीबिटर्स हुए शामिल, 500 से अधिक होटल व्यवसायी ले रहे इसमें भाग

पदाधिकारी

जबलपुर

होटल एंड रेस्टॉरेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा मेगा ट्रेड फेयर 2.0- 2026 का आयोजन होटल रॉयल ऑर्बिट में 10 जनवरी से किया जा रहा है, जो 13 जनवरी तक चलेगा।

यहां होटल इंडस्ट्री से जुड़े तमाम लोग एक ही छत के नीचे उपलब्ध है। फेयर में क्रॉकरी, कटलरी, फर्नीचर, आर्किटेक्ट, सर्विसेज, बैड शीट्स, वॉटर सप्लायर्स, इलेक्ट्रीफिकेशन एक्सपर्ट, सोलर कंपनियां, इंटीरियर डिजाइनिंग एक्सपर्ट से जुड़े व्यवसायी भागीदारी कर रहे है। एसोसिएशन के सदस्यों ने बताया कि फेयर में कुल 100 से ज्यादा एक्जीबिटर्स और आसपास के करीब 500 से अधिक होटल व्यवसायी भागीदारी कर रहे है। एसोसिएशन के अध्यक्ष वसंत घोड़ावत, सचिव तनप्रीत सिंह छाबड़ा, ट्रेजरार विनीत गोकलानी, सह सचिव उपनीत छाबड़ा, इवेंट चेयर पर्सन संदीप विजन, वरिष्ठ सदस्यों कमल ग्रोवर, अमित जसूजा, नितिन चंडोक, संजय जैन आदि ने सहभागिता की अपील की है। सचिव तनप्रीत सिंह छाबड़ा ने बताया कि जिला प्रशासन के सहयोग से फेयर के साथ ही एक जिला, एक उत्पाद के अंतर्गत मटर महोत्सव का 11 जनवरी को आयोजन किया गया। महोत्सव में होटलों के साथ गृहिणियों की सहभागिता भी रही। कॉम्पिटीशन में 25 से ज्यादा होटलों ने सहभागिता दी।

टैली प्राइम 7.0 ने बदली व्यापार की तस्वीरः सेंट्रल इंडिया मेगा ट्रेड फेयर में पीसी प्लेनेट का लगा एक्सपीरियंस ज़ोन

जबलपुर। व्यापार को स्मार्ट, तेज और डिजिटल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए टैली सॉल्यूशन्स, बेंगलुरु के अधिकृत सेवा एवं सेल्स पार्टनर पीसी प्लेनेट ने सेंट्रल इंडिया मेगा ट्रेड फेयर 2.0 में विशेष "टैली प्राइम 7.0 एक्सपीरियंस ज़ोन" की शानदार प्रस्तुति की गई है। उक्त जानकारी देते हुए पीसी प्लेनेट, जबलपुर के प्रबंध निदेशक नितिन जैन ने बताया कि इस एक्सपीरियंस ज़ोन में महाकोशल अंचल के उद्योगपतियों, व्यापारियों एवं व्यावसायिक संस्थानों के प्रबंध निदेशकों को टैली प्राइम 7.0 के नवीनतम, एडवांस्ड और पावरफुल फीचर्स का लाइव डेमो एवं प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान किया जा रहा है। टैली सॉल्यूशन्स, बेंगलुरु की प्रतिनिधि चारु चव्हाण एवं पीसी प्लेनेट की टैली सॉल्यूशन्स से प्रशिक्षित विशेषज्ञ टीम द्वारा व्यवसाय को आसान, सुरक्षित और अधिक प्रभावी बनाने वाले समाधानों की विस्तृत जानकारी साझा की जा रही है। यह एक्सपीरियंस ज़ोन व्यापारियों के लिए डिजिटल अकाउंटिंग, जीएसटी अनुपालन एवं बिज़नेस ग्रोथ की दिशा में एक अनूठा अवसर साबित हो रहा है। यह ट्रेड फेयर तिलवारा रोड स्थित रायल आर्विट होटल में 13 जनवरी तक जारी रहेगा।

केन-बेतवा लिंक परियोजना से बुंदेलखंड में खुलेंगे समृद्धि के द्वार

500 करोड़ की लगात से बनाया जाएगा राहतगढ़, खुरई रोड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश दुग्ध उत्पादन को 20 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य सरकार ने निर्धारित किया है। भावांतर योजना से किसानों को उनकी फसल का वाजिब दाम मिल रहा है और विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं से किसानों को आने वाले भविष्य में सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 गायों के साथ डेयरी खोलने पर 40 लाख की योजना पर 10 लाख रुपए का अनुदान सरकार देगी।

मुख्यमंत्री शनिवार को सागर जिले के खुरई में विभिन्न विकास कार्यों के भूमि-पूजन और लोकार्पण कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा, महिला, गरीब, किसान के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सरकार के पास धन की कोई कमी नहीं है। देश और प्रदेश सरकार की ओर से किसानों को किसान सम्मान निधि के जरिए प्रत्येक किसान को 10 हजार रुपए प्रदान किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक बगिया मां के नाम योजना के माध्यम से एक एकड़ में बगिया लगाने पर सरकार के माध्यम से 2 लाख रुपए प्रदान किए जा रहे हैं।

किसान कल्याण वर्ष-2026 में कृषि को लाभ का धंधा बनाने के लिए सरकार कर रही कार्य

मुख्यमंत्री ने खुरई विधानसभा क्षेत्र को दीं एक हजार करोड़ की सौगातें

लोकार्पण समारोह में मौजूद मुख्यमंत्री डॉ. यादव।

पुनरुद्धार के क्षेत्र में राज्य ने अभूतपूर्व प्रगति की है

खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि कृषि, नवाचार और सांस्कृतिक पुनरुद्धार के क्षेत्र में राज्य ने अभूतपूर्व प्रगति की है। सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री विकास की मशाल जलाकर मप्र में सुशासन स्थापित कर रहे हैं। औद्योगिक क्रांति की शुरुआत करते हुए उन्होंने राज्य को एक प्रमुख लॉजिस्टिक हब बनाने का जो मार्ग प्रशस्त किया।

सरकार ने 9 से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक का लक्ष्य रखा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कहा है कि मप्र में खेती के साथ साथ पशुपालन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। मप्र में पशुपालन के माध्यम से दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए गौशाला खोलने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। खुरई में कृषि यंत्रों के निर्माण उद्योग को और आगे बढ़ाने का कार्य किया जाएगा। वर्तमान में मप्र में 9 प्रतिशत दुग्ध उत्पादन हो रहा है। सरकार ने इसे 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश सरकार दुग्ध उत्पाद को बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है। जिनसे से प्रदेश में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हो रही है।

जोरदार उत्साह के लिए सीएम ने माना जनता का आभार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थित जनसमुदाय पर पुष्पवर्षा की एवं दोनों हाथ जोड़कर जनता का अभिवादन स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि पहली बार खुरई आकर प्रसन्नता हुई। जोरदार उत्साह के लिए मुख्यमंत्री ने खुरई की जनता का आभार माना। मुख्यमंत्री ने मंच से ही रिमोट से 312 करोड़ रुपए के 86 विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया। खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि बुंदेलखंड अब शिक्षा के क्षेत्र में भी लगातार प्रगति कर रहा है। रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव और औद्योगिक क्रांति से यह क्षेत्र समृद्ध हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने की कई प्रमुख घोषणाएं

500 करोड़ की लगात से राहतगढ़, खुरई रोड बनाया जाएगा। 429 करोड़ की बीना नदी परियोजना के माध्यम से 90 हजार हेक्टेयर रकबा सिंचित होगा। इसे शीघ्र पूरा किया जाएगा। खुरई कृषि महाविद्यालय के भवन निर्माण एवं सुविधाओं के विकास के लिए 25 करोड़ दिए जाएंगे। खुरई में युवाओं को नवीन आईटीआई शुरू कर प्रशिक्षण दिया जाएगा। खुरई में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एथलेटिक ट्रैक लगाया जाएगा। मालथौन में मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनेगा। दो सांदीपनि विद्यालय खुलेंगे। रजवास में 133 केवी का विद्युत सब स्टेशन स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री के खुरई आगमन पर उनका बुन्देली परंपरा के अनुसार भव्य एवं आत्मीय स्वागत हुआ। मुख्यमंत्री के 6 किमी लंबे रोड शो में नगर सहित आसपास उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। नागरिकों ने अनोखे और आकर्षक तरीकों से अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

लोकार्पण करते सीएम।

तय करिए किस अफसर पर चले केसः प्रियंक

भोपाल। शहर के स्लाटर हाउस में गो हत्या के मामले को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा है कि भोपाल में सरकारी पैसे से बने नगर निगम के स्लॉटर हाउस में गो-हत्या कर गोमांस को पैक कर के बेचने के मामले में पकड़ाए असलम चमड़ा के विरुद्ध शिकायत थी कि वो अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को भोपाल लाकर गौ कशी करवाता है। हमने पुलिस को जाँच के निर्देश दिए थे तत्पश्चात पुलिस ने असलम के बयान को सत्य मान कर हमको जो रिपोर्ट प्रेषित की थी उसके अनुसार तो नगर निगम ही इस कत्लखाने का संचालक है। तो अब तय करिए कि निगम के किस अफसर पर मुक़दमा बनना चाहिए? इसकी जड़ें गहरी हैं भोपाल के आदमपुर छावनी में मृत पशुओं के शव के निष्पादन के लिए 5 करोड़ की सरकारी लागत से बना रेंडरिंग प्लांट भी इसी असलम चमड़े के पास है। ये दोनों संयंत्र इस से वापस लेने होंगे और अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की जाँच कर उन्हें भोपाल की पूज्य मातृ भूमि से बाहर खदेड़ना होगा।

लोक निर्माण विभाग अपने नाम के अनुरूप जन-जन की सेवा के संकल्प को कर रहा है साकार

सीएम डॉ. यादव ने राज्य स्तरीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का किया शुभारंभ

ब्लैक स्पॉट अलर्ट और सड़क किनारे उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी देगा लोकपथ एप 2.0

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लोक निर्माण विभाग अपने नाम के अनुरूप लोक अर्थात जनता और निर्माण अर्थात सृजन से राज्य के जन-जन की सेवा के संकल्प को साकार कर रहा है। लोक निर्माण विभाग में विकास कार्यों को नई ऊंचाइयां देने की क्षमता है। भगवान श्रीराम के काल में नल और नील ने समुद्र पर पुल निर्माण करने की तकनीक खोज ली थी। लंका विजय के बाद भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण पुष्पक विमान से अयोध्या आए थे।

भगवान विश्वकर्मा ने पुष्पक विमान बनाया, जिसमें सभी को समाहित करने की क्षमता थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को लोक निर्माण विभाग के नवाचारों, डिजिटल पहल और अभियंताओं की क्षमता निर्माण पर केंद्रित राज्य स्तरीय कार्यक्रम सह प्रशिक्षण-सत्र को रवींद्र भवन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी को विकास और कल्याण में साथ लेकर चलने के भाव की अभिव्यक्ति थी। वर्तमान में भी सभी की सुविधा और जीवन में सभी को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ही निर्माण कार्य जारी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकपथ एप का उन्नत संस्करण रूट प्लानिंग, ब्लैक स्पॉट अलर्ट और सड़क किनारे उपलब्ध सुविधाओं आदि की जानकारी देने में मदद करेगा।

खास बातें

- लोकपथ मोबाइल एप के उन्नत संस्करण लोकपथ 2.0 का हुआ लोकार्पण
- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने रवींद्र भवन में चर्चा की अभियंताओं से

सह-प्रशिक्षण-सत्र में सीएम का उद्बोधन।

विकसित कैपेसिटी बिल्डिंग फ्रेमवर्क 2026 का विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोक निर्माण विभाग की ओर से अभियंताओं के प्रशिक्षण, कौशल उन्नयन और आधुनिक परियोजना प्रबंधन में मार्गदर्शन के लिए विकसित कैपेसिटी बिल्डिंग फ्रेमवर्क 2026 का विमोचन, लोकपथ मोबाइल ऐप के उन्नत संस्करण - लोकपथ 2.0 का लोकार्पण किया। यह एप सड़क रखरखाव की निगरानी, नागरिक शिकायतों के त्वरित निवारण, रूट प्लानिंग, ब्लैक स्पॉट अलर्ट, आपातकालीन एसओएस सुविधा तथा सड़क किनारे उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी जैसी सेवाओं के माध्यम से नागरिकों को एक समग्र, उपयोगकर्ता-अनुकूल और आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा।

कैपेसिटी बिल्डिंग फ्रेमवर्क में कॉन्ट्रेक्ट मैनेजमेंट भी शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोक निर्माण विभाग की ओर से पिछले 2 वर्षों में किए गए नवाचारों और सुधारात्मक प्रयासों पर आधारित पुस्तिका का विमोचन भी किया। इसमें डिजिटल समाधान, गुणवत्ता नियंत्रण, पर्यावरण संरक्षण, नई निर्माण तकनीकों और आधुनिक प्रबंधन प्रणालियों की झलक प्रस्तुत की गई है। कार्यक्रम में कैपेसिटी बिल्डिंग फ्रेमवर्क, लोक पथ 2.0 एप और विभाग की गत 2 वर्ष की गतिविधियों पर केंद्रित पुस्तक पर लघु फिल्मों का प्रदर्शन हुआ। मैनेजमेंट एक्सपर्ट डॉ. विक्रांत सिंह तोमर ने तकनीकी प्रशिक्षण, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, फाइनेंशियल मैनेजमेंट और कॉन्ट्रेक्ट मैनेजमेंट पर केन्द्रित कैपेसिटी बिल्डिंग फ्रेमवर्क का प्रस्तुतिकरण दिया। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि लोक निर्माण विभाग केवल सड़कें, पुल और भवनों का निर्माण करने वाला विभाग नहीं है, बल्कि यह प्रदेश की गति, दिशा और विकास की रीढ़ है।

बाणगंगा क्षेत्र में गुमराह कर हो रहा सर्वेः शर्मा

भोपाल। बाणगंगा क्षेत्र में पांच से छह हजार मकान धारक करीब 50 से 60 सालों से अपने पक्के मकानों में रह रहे है। नगर निगम द्वारा गुमराह करके सर्वे कर हटाने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार ने जिन बस्तियों को हटाया उन्हें आवास आवंटित नही किए। अगर लोगों को जबरदस्ती हटाया गया तो कोर्ट जाएंगे।

यह बात पूर्व विधायक पीसी शर्मा ने शनिवार को पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही। उन्होंने कहा कि रहवासियों के पास 1984 के 30-30 वर्ष के पट्टे हैं। मकान मालिकों के पास वर्ष 1974 का अलाटमेंट है और कुछ मकान धारकों के पास, लेंड लीज एवं रजिस्ट्री उपलब्ध है। भदभदा बस्ती के 400 परिवार 12 नं. बस्ती सहित अन्य कई ऐसी बस्तियां हैं जिन्हें आज तक एचएफए के तहत मकान आवंटित नहीं हुए। उन्होंने कहा कि भीमनगर, वल्लभ नगर, ओम नगर बस्ती, अरेरा अरेरा हिल्स के झुग्गीयों के सर्वे हुए थे। एक साल पूर्व उनको पहले कहा गया कि वहीं अरेरा हिल्स पर मकान बनाकर देंगे, फिर कहा बाणगंगा में मकान बनाकर देगें, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाए।

तेज रफ्तार और लापरवाही के चलते अनियंत्रित होकर पलटी कार, जांच जारी

भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, दो युवतियां गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सरगुजा

जिले के अंबिकापुर में मणिपुर थाना क्षेत्र के हर्राटिकरा इलाके में शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाई जा रही कार अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसके परिणामस्वरूप कार सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में दो युवतियां गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि कार में सवार अन्य दो युवक भी चोटिल हुए हैं। दुर्घटनाग्रस्त कार में कुल छह लोग सवार थे। मृतकों की पहचान कार चालक विशाल तिर्की और उसके दोस्त अंजित कुजूर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि विशाल तिर्की एक शिक्षिका का बेटा था और वह अपने दोस्तों के साथ घूमने के लिए घर से निकला था। इसी दौरान यह दुखद घटना घटी। हादसे में घायल हुई युवतियों की पहचान निकिता कुजूर और तारा कुजूर के रूप में हुई है, जो कॉलेज की छात्राएं हैं। दोनों को गंभीर हालत में उपचार के लिए अंबिकापुर के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार में सवार वाहन मालिक आर्यन कुजूर और अनिमेष तिर्की भी इस दुर्घटना में घायल हुए हैं।

मध्यप्रदेश के दो युवक शामिल

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार में सवार दोनों युवतियां अंबिकापुर के एक हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थीं और वे सीतापुर व बगीचा क्षेत्र की रहने वाली हैं। वहीं, कार में सवार दो युवक मध्य प्रदेश के भोपाल और जबलपुर के निवासी बताए जा रहे हैं, जबकि दो अन्य युवक अंबिकापुर के ही रहने वाले थे। पुलिस का कहना है कि सभी युवक-युवतियां सेमरडांड की ओर से लौट रहे थे। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि सभी शराब के नशे में थे। इसी दौरान हर्राटिकरा मोड़ के पास कार अनियंत्रित होकर तेज रफ्तार में पलट गई, जिससे यह भीषण हादसा हुआ। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है।

तेज रफ्तार हाइवा ने ली शिक्षिका की जान

दुर्ग सड़क सुरक्षा सप्ताह के बावजूद सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी कड़ी में रानीतराई थाना क्षेत्र के ग्राम कौही के समीप एक भीषण सड़क दुर्घटना में एक शिक्षिका की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब शिक्षिका अपने एक्टिवा से मायके जा रही थीं। तेज रफ्तार हाईवा ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उनकी जान चली गई। यह दुखद घटना कौही गांव के मोड़ के पास हुई। 48 वर्षीय मधुबाला चंद्राकर, जो कुरूद की रहने वाली थीं, ग्राम बगौद स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय में शिक्षिका के पद पर कार्यरत थीं। वह अपने एक्टिवा वाहन से अपने मायके ग्राम आमालोरी जा रही थीं। इसी दौरान, तेज गति से आ रहे एक हाईवा ट्रक ने उन्हें अनियंत्रित होकर अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि शिक्षिका की मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मर्ग कायम कर मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के संबंध में, पुलिस ने हाईवा वाहन को जब्त कर लिया है और चालक को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस ने भारी मात्रा में गांजा पकड़ा

कबीरधाम। पुलिस ने गांजा सप्लाई को लेकर बड़ी कार्रवाई किया है। जिले के बोड़ला थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बोड़ला एसडीओपी अखिलेश कौशिक ने बताया कि गांजा की कुल मात्रा 26.860 किलो है, जिसकी कीमत 13 लाख 34 हजार रुपए, जिस वाहन में गांजा को एमपी ले जाया जा रहा था, उस बोलेरो की कीमत 12 लाख रुपए है। दोनों तस्कर बोलेरो वाहन में विशेष रूप से बनाए गए सीक्रेट चैंबर में गांजा के 25 पैकेट छिपाकर तस्करी कर रहे थे।

पकड़े गए आरोपी का नाम लाला चर्मकार पिता कामता प्रसाद व राधिका मल्ला पिता रामचंद्र मल्ला दोनों निवासी ग्राम जवा थाना जवा जिला रीवा मध्य प्रदेश है। बताया जा रहा है कि ये आरोपी गांजा को ओड़िसा से लेकर एमपी जा रहे थे। इस बीच बोड़ला पुलिस ने उन्हें धर दबोचा। आरोपियों से पूछताछ व आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2025-26 समारोह में बोले सीएम

सुशासन का मतलब केवल औपचारिकता नहीं, कामकाज में असर दिखना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि सुशासन का मतलब केवल कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि उसका असर आम लोगों के जीवन में और अधिकारियों के कामकाज में साफ नजर आना चाहिए। वे नवा रायपुर में आयोजित मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2025-26 समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने ई-प्रगति पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के जरिए राज्य के सभी विभागों के 25 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाले निर्माण कार्यों की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। निर्माण की मंजूरी से लेकर बजट, भुगतान, मजदूरी और प्रगति की जानकारी अब सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचेगी, जिससे योजनाओं में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित होगी। कार्यक्रम में सुशासन और नवाचार के लिए 5 विभागों और 5 जिलों को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे पुरस्कारों से अच्छा काम करने वाले अधिकारी और जिले प्रोत्साहित होते हैं। आने वाले समय में यह पुरस्कार 8 अलग-अलग श्रेणियों में दिए जाएंगे।

अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचे सुविधाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य यह है कि अंतिम व्यक्ति तक बुनियादी सुविधाएं बिना भटके पहुंचें। अटल डिजिटल सेवा केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आधार, पेंशन, बैंकिंग और बिल भुगतान जैसी सेवाएं एक ही जगह मिल रही हैं। ई-प्रगति पोर्टल से योजनाओं की निगरानी और मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि राज्य में सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन कर योजनाओं के बेहतर समन्वय पर काम किया जा रहा है। पिछले दो वर्षों में 400 से अधिक नीतिगत सुधार किए गए हैं, जिससे प्रशासनिक प्रक्रिया सरल और प्रभावी हुई है। मुख्यमंत्री ने रजिस्ट्री विभाग में किए गए सुधारों और सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 की भी जानकारी दी। साथ ही शिक्षा विभाग के विद्या समीक्षा केंद्र और पंचायत विभाग की क्यूआर कोड आधारित व्यवस्था को सुशासन के सफल उदाहरण बताया।

खंडेलवाल ने वीबी-जी रामजी योजना को लेकर की प्रेसवार्ता, आजीविका के स्थाई स्त्रोत किए जाएंगे विकसित

वीबी-जी रामजी योजना गांवों की तस्वीर और तकदीर बदलने का काम करेगी : खंडेलवाल

रतलाम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की प्रेस कांफ्रेंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को रतलाम के अतिथि गार्डन में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन-ग्रामीण (वीबी-जी रामजी) को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित किया।

इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कहा कि यह योजना गांवों की तस्वीर और तकदीर बदलने का कार्य करेगी। इस योजना के जरिए राज्य सरकार द्वारा ग्राम पंचायतों और गांवों में गरीबों, महिलाओं, युवाओं और मजदूरों की आजीविका के स्थायी स्त्रोत विकसित किए जाएंगे। इस योजना में ऐसा प्रावधान भी किया गया है कि फसलों की बुवाई-कटाई के समय खेती के लिए मजदूर मिल सकें। इसका फायदा मजदूरों को होगा। उन्हें 125 दिन रोजगार की गारंटी तो वीबी-जी रामजी योजना के तहत है ही, 60 दिन खेतों में मजदूरी के लिए भी मिल जाएंगे। ऐसे में देखा जाए तो मजदूरों को 185 दिन का रोजगार गांवों में ही मिल सकेगा। नई योजना में गांवों के विकास के हिसाब से योजना बनाकर भी कार्य किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जीरो टॉलरेंस पर कार्य हो रहा है। इस योजना में तनिक भी भ्रष्टाचार की गुंजाइश नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महात्मा गांधी के विचारों को साकार करने का कार्य कर रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों को मिलेगा सीधा फायदा

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि वीबी-जी रामजी योजना ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में क्रांति लाएगी। योजना में रोजगार नहीं मिलने की स्थिति में मजदूरी भत्ते का भी प्रावधान किया गया है। नई योजना में ग्राम पंचायतों को परिवार का पंजीयन और रोजगार गारंटी का अधिकार दिया गया है। नई योजना में राज्यों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है, जिसका सीधा फायदा ग्रामीण क्षेत्रों को होगा। ग्राम पंचायतों, गांवों में विकास के साथ निर्माण कार्य भी कराए जा सकेंगे। कई ऐसे कार्यों को नई योजना में शामिल किया गया है, जो पहले की योजना में नहीं थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने रतलाम में की बैठकें

बूथ स्तर तक योजना बनाकर संगठनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाना हैः खंडेलवाल

पीसी करते खंडेलवाल।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को रतलाम के अतिथि गार्डन में पार्टी की जिला बैठक, वीबी-जी रामजी जनजागरण अभियान, छोटी टोली के साथ सोशल मीडिया, आईटी टोली और मन की बात टोली की बैठकों को संबोधित किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी मजबूती संगठन शक्ति है। हमें अपने संगठन को और मजबूत बनाने के लिए बूथ स्तर तक योजना बनाकर संगठनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाना है। मजबूत संगठन से ही सशक्त लोकतंत्र का निर्माण होता है। वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की अटूट निष्ठा, अथक परिश्रम और वैचारिक प्रतिबद्धता के साथ संघर्ष, त्याग और विचारधारा के कारण आज भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनकर देश और समाज का मार्गदर्शन कर रही है। भाजपा कार्यकर्ताओं को खोज-खोजकर दायित्व देती है। पार्टी में किसी भी दायित्व के लिए किसी कार्यकर्ता को कहीं भटकने की आवश्यकता नहीं होती। कार्यकर्ता की सक्रियता ही अवसर बनकर सामने आती है। भाजपा में कोई भी कितना भी बड़े दायित्व पर क्यों न हो, उसके मन में सदैव कार्यकर्ता भाव बना रहना चाहिए। जनसंघ से लेकर आज भारतीय जनता पार्टी तक की यात्रा अत्यंत संघर्षपूर्ण, त्याग और समर्पण से भरी रही है।

भाजपा किसान मोर्चा की बैठक

वीबी-जी रामजी योजना ग्रामीण भारत के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में निर्णायक पहलः यति

भाजपा के प्रदेश कार्यालय में भाजपा किसान मोर्चा के जिला पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य विकसित भारत, गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण के प्रभावी क्रियान्वयन, संगठनात्मक मजबूती तथा किसानों और ग्रामीण मजदूरों तक योजना की जानकारी पहुंचाने की रणनीति पर विचार-विमर्श करना रहा। बैठक को भोपाल अध्यक्ष रविंद्र यति, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष जयपाल सिंह एवं किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजेश सिंह ने संबोधित किया।

रवींद्र यति (फाइल)

30 जनवरी को थिएटर्स में आएगी मर्दानी 3

मुंबई। मर्दानी 3 ' में रानी मुखर्जी एक बार फिर निडर पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में नजर आएंगी, जो न्याय के लिए निस्वार्थ भाव से लड़ती हैं। यश राज फिल्म्स ने 'मर्दानी 3' की रिलीज डेट का ऐलान किया है। फिल्म 30 जनवरी को थिएटर्स में आएगी। मेकर्स इस फिल्म को शिवानी की अच्छाई और खौफनाक बुराई के बीच एक खूनी और हिंसक टकराव के रूप में पेश कर रहे हैं, जहां वह देश की कई लापता लड़कियों को बचाने के लिए समय के खिलाफ एक असाधारण रेस शुरू करती हैं। रानी मुखर्जी पहले ही खुलासा कर चुकी हैं कि यह एज-ऑफ-द-सीट थ्रिलर डार्क, डेडली और ब्रूटल होगी।

लाइफ Style

सदफ

भोले बाबा की भक्तिन, रखती हैं व्रत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

स्प्लिट्सविला 16' में ' सदाफ़शंकर कौन हैं? मिलिए अफगानिस्तान में जन्मी मॉडल और भगवान शिव की भक्त से, जो इस सीजन की सबसे चर्चित कंटेस्टेंट बनती जा रही हैं। उनकी बेबाक कॉन्फिडेंस, दमदार मौजूदगी और अनोखी कहानी ने दर्शकों के बीच जिज्ञासा और चर्चा को जन्म दिया है।

9 जनवरी 2026 को स्प्लिट्सविला 16' के शुरू होने के बाद से एक कंटेस्टेंट लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। वो न तो गुल्लू हैं, न योगेश। इस कंटेस्टेंट का नाम सदफ शंकर है, जिनका जन्म अफगानस्तान में हुआ है। पिछले दस सालों से भारत में रह रही हैं और इस सीजन की सबसे चर्चित चेहरों में से एक बन गई हैं। सदफ शंकर फारसी मूल की मॉडल हैं, जिनका जन्म अफगानिस्तान में हुआ और अब मुंबई में रहती हैं। पिछले 10 सालों से भारत में रहकर उन्होंने यहां की संस्कृति को पूरी तरह अपनाया है। वह खुद को "देसी दिल से, फिल्मी अंदाज में और थोड़ी सी ड्रामा क्वीन जन्म से" बताती हैं। सदफ शंकर के इंस्टा पर 1.6 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। उनकी बायो में लिखा है, 'मैं फेमस हूं, दुनिया को बस अभी पता नहीं चला,' जो उनके आत्मविश्वास को बखूबी दर्शाता है। सोशल मीडिया के मुताबिक, सदफ़ ने हाल ही में प्रोफेशनल मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा है। 'स्प्लिट्सविला 16' में सदफ का इंट्रोडक्शन उन्हें बेबाक, बोल्ड और नजरअंदाज करना नामुमकिन बताता है, जो अपने लुक्स से सबको इम्प्रेस करती हैं और एक नजर से ही सामने वाले को डराने का दम रखती हैं।

हॉलीवुड मसाला

बाफ्टा की दौड़ में वन बैटल ऑफ्टर

लॉस एंजिल्स। इन दिनों बाफ्टा अवॉर्ड के नॉमिनेशन चर्चा में हैं। हाल ही में उन फिल्मों के नाम साझा किए गए हैं, जिनका नॉमिनेशन अवॉर्ड के लिए हुआ है। फाइनल वोटिंग राउंड के बाद जल्द ही ऑफिशियल नॉमिनेशन भी सामने आएंगे। लेकिन पहले राउंड में लियोनार्डो डिकैप्रियो की फिल्म ने बाजी मारी है। पहली लिस्ट में लियोनार्डो डिकैप्रियो की फिल्म 'वन बैटल आफ्टर अनदर' का जलवा देखने को मिला। इस फिल्म ने बाफ्टा में लगभग 16 नॉमिनेशन अपने नाम किए हैं।

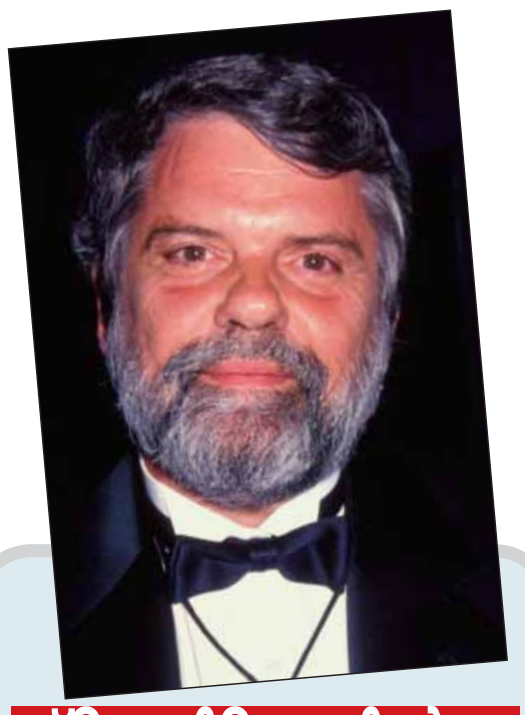

कॉमिक सीरियल सीनफेल्ड के जरिए हुए थे काफी मशहूर

लॉस एंजिल्स। एमी अवॉर्ड विनर डायरेक्टर टॉम चेरोन्स का 86 साल की उम्र में निधन हो गया है। वह लंबे से एक गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। यह डायरेक्टर कॉमिक सीरियल सीनफेल्ड' के जरिए काफी मशहूर हुए थे। टॉम चेरोन्स ने डायरेक्टर के तौर टीवी से शुरुआत की थी। उन्होंने पहला टीवी सीरियल 'बेब्स इन द वुड्स' किया था। फिर 1990 में उन्होंने 'सीनफेल्ड' नाम का सीरियल डायरेक्ट किया। इस सीरियल ने उन्हें डायरेक्टर के तौर पर अलग पहचान दिलाई। इसी सीरियल के लिए उन्हें एमी अवॉर्ड मिला, जिसे उन्होंने क्रिएटर्स जेरी सीनफेल्ड और लैरी डेविड के साथ शेयर किया था। टॉम चेरोन्स ने न्यू मैक्सिको यूनिवर्सिटी से जर्नलिज्म में बैचलर डिग्री हासिल की थी। बाद में अलबामा यूनिवर्सिटी से टेलीकम्युनिकेशंस में मास्टर डिग्री हासिल की।

ओ रोमियो के टीजर में फरीदा ने दी गाली

मुंबई। हाल ही शाहिद कपूर की नई फिल्म 'ओ रोमियो' का टीजर रिलीज हुआ, जो इंटरनेट पर छाया हुआ है। जहां इसमें शाहिद चर्चा बटोर रहे हैं, तो वहीं फरीदा जलाल भी छा गईं। हालांकि, उनका अवतार देख फैंस को झटका लगा है। दरअसल, 'ओ रोमियो' के टीजर में फरीदा जलाल गाली देती नजर आ रही हैं। दशकों लंबे करियर में यह पहली बार है, जब फरीदा जलाल गाली देती दिखीं और ऐसा अवतार नजर आया। यही बात फैंस को हजम नहीं हुई और वो हैरान हैं। फरीदा जलाल को यूं गाली देते देख फैंस सोशल मीडिया पर रिएक्ट कर रहे हैं। 'ओ रोमियो' का टीजर 10 जनवरी को रिलीज हुआ। विशाल भारद्वाज की इस फिल्म में पूरी कास्ट की झलक दिखाई गई, जिसने फैंस को उत्साहित कर दिया। पर सबसे ज्यादा ध्यान दिग्गज एक्ट्रेस फरीदा जलाल ने खींचा।

नीले ड्रम और हनीमून हत्या की वो सच्चाई

नई दिल्ली। जिन घटनाओं ने पूरे देश के रोंगटे खड़े कर दिए थे, अब उसकी कहानी ओटीटी पर देखने को मिल रही है। यह सीरीज आपका दिल दहला देने के लिए काफी है। अगर आप इस हफ्ते कोई सीरीज देखने की सोच रहे हैं तो आप इसे अपनी वॉचलिस्ट में शामिल कर सकते हैं। इस डॉक्यु सीरीज का नाम है हनीमून से हत्या, जो महिलाओं द्वारा पतियों की हत्या पर आधारित सच्ची घटना पर आधारित है। सीरीज में उन हत्याओं को दिखाया गया जो सबसे ज्यादा चर्चा में रहीं और इसने लोगों के दिल दहला दिए। हनीमून से हत्या डॉक्यु सीरीज में जिन घटनाओं को दिखाया गया है, वो मेघालय सोनम रघुवंशी केस, भिवानी इन्फ्लुएंसर केस, मेरठ ब्लू ड्रम केस, मुंबई (नालासोपारा) टाइल केस और दिल्ली इलेक्ट्रिक शॉक केस शामिल हैं।

टीवी मसाला

इंडियन आइडल 3 के रह चुके हैं विजेता

नई दिल्ली। प्रसिद्ध सिंगर और एक्टर प्रशांत तमांग का 11 जनवरी, 2026 को नई दिल्ली में अपने आवास पर निधन हो गया। प्रशांत साल 2007 में 'इंडियन आइडल सीजन 3' के विनर थे जिसके बाद उन्हें काफी पॉपुलैरिटी मिली थी। इसके अलावा वो वेब सीरीज पाताललोक 2 में भी नजर आए थे। वह 43 साल के थे। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार उन्हें दिल का दौरा पड़ा जिससे उनका निधन हो गया। हालांकि अभी इसकी मेडिकल पुष्टि नहीं हुई है। दार्जिलिंग के रहने वाले तमांग का जन्म 4 जनवरी 1983 को हुआ था। उन्होंने कम उम्र में ही अपने पिता को खो दिया था। बाद में कांस्टेबल के रूप में कोलकाता पुलिस में भर्ती हो गए। अपनी सेवा के दौरान, उन्होंने पुलिस ऑर्केस्ट्रा के माध्यम से संगीत के प्रति अपने जुनून को हमेशा अपने अंदर पोषित किया। खबरों के मुताबिक, प्रशांत हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में एक लाइव परफॉर्मेंस के बाद राजधानी लौटे थे। इसके अलावा उन्हें कोई गंभीर स्वास्थ्य बीमारी भी नहीं थी।

कोलकाता पुलिस में कांस्टेबल के रूप में सेवा देने से लेकर दक्षिण एशिया में घर-घर में पहचाने जाने वाले नाम बनने तक, तमांग की यात्रा ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है। उन्होंने हाल ही में 'पाताल लोक' के सीजन 2 में डैनियल लेचो के रूप में अपने दमदार अभिनय के लिए खूब प्रशंसा बटोरी। उनके गीत 'बीर गोरखाली' और 'असारे महिमा' आज भी शक्तिशाली सांस्कृतिक गीतों के रूप में गूंजते हैं। तमांग को 2007 में इंडियन आइडल सीजन 3 जीतने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि मिली। इस जीत के बाद उनका एल्बम 'धन्यवाद' रिलीज हुआ। उन्होंने विदेशों में भी कई जगह परफॉर्म किया।

टीवी के इन सितारों का फिल्मों में भी बजा डंका

नई दिल्ली। टीवी की दुनिया को भले ही कुछ लोग कम आंकते हैं। छोटा प्लेटफॉर्म मानते हैं। लेकिन इसी जगह से कई सितारे ऐसे चमके, जिनका न सिर्फ इस छोटे पर्दे पर, बल्कि फिल्मों में भी डंका बजा है। मोना सिंह ने 'जस्सी जैसी कोई नहीं' से पॉप्युलैरिटी हासिल की। और टीवी की दुनिया में काफी नाम कमाया। लेकिन फिल्मों में भी इन्होंने झंडे गाड़े। '3 इडियट्स', 'लाल सिंह चड्ढा' जैसी सुपरहिट मूवीज का हिस्सा रहीं। करण टैकर और क्रिस्टल डिसूजा को 'एक हजारों में मेरी बहना है' में साथ देखा गया था। और अब दोनों ही टीवी की दुनिया से निकलकर बड़े पर्दे पर अपनी धाक जमा रहे हैं। वेब सीरीज से लेकर बॉलीवुड मूवीज में ये नजर आ रहे हैं। इरफान खान हमारे बीच नहीं हैं। उन्होंने दूरदर्शन पर 'चाणक्य', 'भारत एक खोज', 'सारा जहां हमारा', 'बनेगी अपनी बात', 'चंद्रकांता' और 'श्रीकांत' जैसे शोज से नाम कमाया और फिर फिल्मों में भी सुपरहिट एक्टर रहे। 'पवित्र रिश्ता' और 'किस देश में है मेरा दिल' जैसे सुपरहिट शोज में अपने किरदार से घर-घर फेमस होने वाले सुशांत संह राजपूत हमारे बीच नहीं लेकिन उन्होंने टीवी के साथ-साथ फिल्मों में भी हाथ आजमाया था और शानदार काम के लिए कई खिताब भी जीते थे।

FA9LA गाने के सिंगर फ्लिपराची करेंगे इंडिया का टूर

मुंबई। धुरंधर अपनी कहानी के अलावा दर्शकों के बीच गाने 'FA9LA' के कारण भी खूब चर्चा में रही। यह गाना बहरीन के रैपर फ्लिपराची ने तैयार किया है। जल्द ही वह भारत का टूर कर रहे हैं। धुरंधर को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक महीने से अधिक का समय हो चुका है। फिल्म 800 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर चुकी है। इस फिल्म का गाना FA9LA अब भी सोशल मीडिया पर वायरल है। इस गाने पर देश ही नहीं, दुनिया भर में रील्स बन चुकी हैं। FA9LA के सिंगर रैपर फ्लिपराची हैं। उनकी भारत में भी अब अच्छी खास फैन फॉलोइंग हो चुकी है। अपने इंडियन फैंस का मनोरंजन अब फ्लिपराची लाइव करेंगे। जल्द ही भारत में उनका म्यूजिक टूर शुरू होगा।

भारत के किस शहर में होगा पहला शो

सिंगर, रैपर फ्लिपराची के इंडिया टूर की शुरुआत 14 मार्च से होगी। वह अपना पहला लाइव शो बेंगलुरु में करेंगे। इस बात की जानकारी रैपर ने खुद इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए साझा की है। म्यूजिक टूर की बाकी तारीखों की घोषणा भी जल्द ही की जाएगी। लेकिन, इसके लिए रैपर फ्लिपराची ने अपने इंडियन फैंस सजेशन मांगे हैं। उन्होंने कहा है कि फैंस अपने शहरों के नाम बताएं, जिसके बाद तय होगा कि वह अगला शो कहां करेंगे।

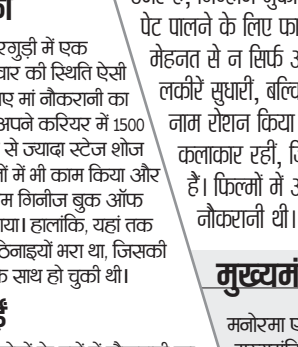

अक्षय को फ्लिपराची के गाने से मिली लाइमलाइट

फिल्म धुरंधर के गाने FA9LA में अक्षय खन्ना ने भी कुछ वायरल डांस स्टेप्स किए। इस वजह से वह भी खूब चर्चा में रहे। फिल्म में लीड रोल रणवीर सिंह का था लेकिन अक्षय खन्ना को इस गाने के कारण ज्यादा सराहा गया। ऑडियंस को FA9LA गाने की जोरदार बीट्स और एनर्जी काफी पसंद आई। इस गाने के लिए फ्लिपराची को इंडिया में काफी फेम मिला।

दो आंखें बारह हाथ से लेकर एआर रहमान तक गोल्डन ग्लोब में अब तक ऐसा रहा भारत का सफर

नई दिल्ली। गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स फिल्म और टेलीविजन जगत के सबसे चर्चित अवॉर्ड्स में शामिल हैं। हर साल की तरह इस साल भी जनवरी में गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड आयोजित होने जा रहे हैं। 83वें गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स का आयोजन 11 जनवरी को लॉस एंजिल्स के बेवर्ली हिल्टन होटल में किया जाएगा। इसमें फिल्म, टेलीविजन और पहली बार पॉडकास्ट के क्षेत्र में इस साल शानदार काम करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। हालांकि, भारत में इस अवॉर्ड्स समारोह का प्रसारण सोमवार यानी 12 जनवरी को सुबह छह बजे होगा। गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड में कैसा रहा भारत का सफर? किस भारतीय फिल्म या कलाकार को मिला गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड और कौनसी फिल्में व कलाकार हुए नामित।

दो आखें बारह हाथ को मिला था गोल्डन ग्लोब : साल 1944 में शुरु हुए गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड में भारत को पहली उपलब्धि साल 1957 में मिली। जब दिग्गज फिल्ममेकर वी. शांताराम की फिल्म 'दो आंखें बारह हाथ'को गोल्डन ग्लोब में नॉमिनेशन मिला। साथ ही इस फिल्म ने एक स्पेशल अचीवमेंट अवॉर्ड भी अपने नाम किया। 'दो आंखें बारह हाथ'को सैमुअल गोल्डविन अंतरराष्ट्रीय फिल्म अवॉर्ड मिला था।

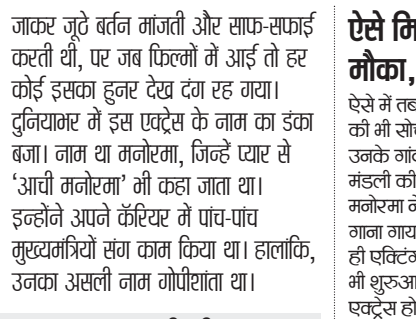

गांधी फिल्म ने लहराया था परचम : दो आंखें बारह हाथ के लगभग 26 साल बाद साल 1983 में रिचर्ड एटनबर्ग की फिल्म गांधी ने गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड में परचम लहराया था। इस फिल्म ने कई कैटेगरी में अवॉर्ड जीता था। गांधी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, निर्देशक, स्क्रीनप्ले, नया कलाकार और सर्वश्रेष्ठ विदेशी फिल्म की कैटेगरी में अवॉर्ड मिला था।

मीरा नायर की सलाम बॉम्बे और मानसून वेडिंग को मिला नॉमिनेशन : गांधी के बाद साल 1989 में मीरा नायर की फिल्म सलाम बॉम्बे को गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा की फिल्म की कैटेगरी में नॉमिनेशन मिला था। हालांकि, फिल्म यह पुरस्कार अपने नाम नहीं कर सकी थी। तब यह अवॉर्ड 'पेल द कॉन्करर' को मिला था। इसके बाद साल 2002 में एक बार फिर मीरा नायर की फिल्म मानसून वेडिंग गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फिल्म की कैटेगरी में नामित हुई। लेकिन, यहां भी मीरा नायर को निराशा मिली और अवॉर्ड क्राउचिंग टाइगर, हिडन ड्रैगन को मिला।

2009 में एआर रहमान बने गोल्डन ग्लोब जीतने वाले पहले भारतीय : 1983 में गांधी के अवॉर्ड जीतने के बाद भारत के लिए गोल्डन ग्लोब से अच्छी खबर सीधे 2009 में आई, जब दिग्गज संगीतकार एआर रहमान को बेस्ट ओरिजिनल म्यूजिक स्कोर की कैटेगरी में यह पुरस्कार मिला था। रहमान ने फिल्म स्लमडॉग मिलेनियर के लिए इस अवॉर्ड को अपने नाम किया था। इसके साथ ही एआर रहमान व्यक्तिगत रूप से गोल्डन ग्लोब जीतने वाले पहले भारतीय भी बने।

दुनियाभर में इस एक्ट्रेस के नाम का डंका बजा, नाम था मनोरमा

घरों में झाड़ू-पोछा करने वाली, फिल्मों में बनाए रिकॉर्ड, गिनीज बुक में नाम

गरीबी में जन्मा एक सितारा जो दुनिया भर में चमका

आची मनोरमा तमिलनाडु के मन्नारगुड़ी में एक गरीब परिवार में पैदा हुई थीं। परिवार की स्थिति ऐसी नहीं थी कि भरपेट खा सकें। इसलिए मां नौकरानी का काम किया करती थीं। मनोरमा ने अपने करियर में 1500 से अधिक फिल्में कीं और 5 हजार से ज्यादा स्टेज शोज किए थे। उन्होंने कई टीवी सीरियलों में भी काम किया और नेशनल अवॉर्ड भी जीता। उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स तक में दर्ज किया गया। हालांकि, यहां तक का सफर बहुत टेढ़ा-मेढ़ा और कठिनाइयों भरा था, जिसकी शुरुआत मां की जानलेवा बीमारी के साथ हो चुकी थी।

घरों में नौकरानी बन गईं

मनोरमा की मां को कैंसर था। वह लोगों के घरों में नौकरानी का काम करती थीं, पर बीमारी की वजह से वह काम भी छूट गया और भूखे मरने की नौबत आ गई। मनोरमा ने जब देखा की मां को खून की उल्टियां हो रही हैं, तो वह टूट गई थीं। उस वक्त वह सिर्फ 11 साल की थीं, पर उन्होंने नन्ही सी उम्र में ही घर का भार संभाल लिया। मनोरमा ने स्कूल जाना छोड़ दिया और घर-घर जाकर बर्तन साफ करने और चूल्हे-चौके का काम शुरू कर दिया। उससे जो पैसे मिलते, उनसे घर का गुजारा चलता। लेकिन मां का इलाज तब भी नहीं हो पा रहा था क्योंकि आमद इतनी नहीं थी।

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा में ऐसे कई नगीने उभरे हैं, जिन्होंने मुफलिसी में जिंदगी गुजारी, पेट पालने के लिए फाके करने पड़े, पर कड़ी मेहनत से न सिर्फ अपनी किस्मत की लकीरें सुधारीं, बल्कि दुनियाभर में देश का नाम रोशन किया। ऐसी ही एक कलाकार रहीं, जिनके बारे में बता रहे हैं। फिल्मों में आने से पहले यह एक नौकरानी थी। लोगों के घरों में जाकर जूठे बर्तन मांजती और साफ-सफाई करती थी, पर जब फिल्मों में आई तो हर कोई इसका हुनर देख दंग रह गया। दुनियाभर में इस एक्ट्रेस के नाम का डंका बजा। नाम था मनोरमा, जिन्हें प्यार से 'आची मनोरमा' भी कहा जाता था। इन्होंने अपने कॅरियर में पांच-पांच मुख्यमंत्रियों संग काम किया था। हालांकि, उनका असली नाम गोपीशांता था।

मुख्यमंत्रियों संग कीं फिल्में, कभी वो थे एक्टर

मनोरमा एक ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने अपने कॅरियर में पांच मुख्यमंत्रियों के साथ काम किया था। ये थे- एनटी रामाराव, एन अन्नादुरई, जयललिता, एम.जी. रामाचन्द्रन और एम करुनानिधि। दरअसल, ये सभी मुख्यमंत्री बनने और राजनीति में आने से पहले फिल्मों में एक्टिव थे। उसी दौरान मनोरमा ने इन सभी के साथ फिल्में की थीं। मनोरमा ने 1960 तक तो फिल्मों में हर तरह के किरदार निभाए और एक्टिंग की, लेकिन फिर वह कॉमेडी रोल करने लगीं। इसके बाद तो उनके करियर को और नई जिंदगी मिली। कॉमेडी में मनोरमा को खूब पसंद किया गया।

इस शख्स का एहसान मानती थीं

मनोरमा ने एक बार हमारे सहयोगी 'ईटाइम्स' को दिए इंटरव्यू में कहा था कि अगर एक्टर कनादासन नहीं होते, तो वह भी जिंदा नहीं होतीं। उन्होंने ही एक्ट्रेस से कहा था कि अगर सिर्फ एक्टिंग की करती रहोगी तो इंडस्ट्री वाले कुछ साल में ही बाहर उठाकर फेंक देंगे, और कॉमेडी करोगी तो बहुत आगे तक जाओगी। मनोरमा ने करीब 57 साल तक फिल्मों में काम किया, एक्टिंग की और ढेरों गाने गाए। उन्होंने लगभग सभी पॉपुलर म्यूजिक डायरेक्टर्स के लिए गाने गाए।

ऐसे मिला था एक्टिंग का मौका, सिंगर भी कमाल की

ऐसे में तब मनोरमा ने कुछ और काम करने की भी सोची। उसी दौरान एक नाटक मंडली उनके गांव में आई। बताया जाता है कि उस मंडली की हीरोइन गाना नहीं गा पा रही थी। मनोरमा ने गाने की पेशकश की। उन्होंने गाना गाया और इस तरह 11 साल की उम्र में ही एक्टिंग के साथ-साथ सिंगर के तौर पर भी शुरुआत हो गई। मनोरमा एक अच्छी एक्ट्रेस होने के साथ-साथ कमाल की सिंगर भी थीं, और इसी से उनके लिए फिल्मी दुनिया के रास्ते खुले।

1500 से ज्यादा फिल्में गिनीज बुक में दर्ज नाम

मनोरमा को नाटक मंडली में काम करते हुए पहली फिल्म 'इनबावाज्चु' मिली और वह छा गईं। इसके बाद उनके पास फिल्मों की लाइन लग गई। मनोरमा ने एक के बाद एक 1500 से अधिक फिल्मों में काम किया। इसी के कारण उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया।